हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 2 मार्च 2025

तापमान
अधिकतम 27 .5 डिग्री
न्यूनतम 12 .5 डिग्री

10 367 बूथों पर 3 .88 लाख मतदाता करेंगे मतदान

10 भगवान शिव संत आत्माओं के परमपिता परमेश्वर

खबर संक्षेप

रोडवेज बस की टक्कर से युवक की मौत

इसराना। पानीपत के गांव इसराना में बाइक को हरियाणा रोडवेज की बस ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक 45 वर्षीय रिंकू मूल निवासी अलवर, राजस्थान हाल निवासी इसराना रेलवे फाटक के पास झुग्गी की मौत हो गई। इसराना थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद रिंकू का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। जबकि मृतक के भाई शशि की शिकायत पर रोडवेज बस के चालक के खिलाफ गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इको वैन की टक्कर से बाइक चालक की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव नैन के पास इको वैन ने बाइक चालक विशाल को टक्कर मार दी। हादसे में विशाल मूल निवासी गांव बल्ला जिला करनाल हाल निवासी गांव अटावला जिला की मौत हो गई। वहीं हादसा विशाल के पिता रविंद्र के सामने हुआ। रविंद्र ने बताया कि विशाल, फैक्टरी में काम करता है। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम के बार विशाल का शव उसके पिता रविंद्र को सौंप दिया और इको वैन चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब के नशे में हुड़दंग करते तीन गिरफ्तार

पानीपत। थाना समालखा की हलदाना चौकी पुलिस टीम ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग कर रहे दीपक पुत्र सतबीर, बिल्लू पुत्र सुरेश व विनोद पुत्र बलवान निवासी गांव देहरा जिला पानीपत को गिरफ्तार किया है। हलदाना चौंकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर कुलदीप ने बताया कि तीन युवक शराब के नशे में थे, तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना समालखा में बीएनएस की धारा 194 के तहत केस दर्ज किया गया है।

डिपोर्ट हुए युवक ने दी शिकायत, दो नामजद

पानीपत। पानीपत की मुखीजा कॉलोनी निवासी शुभम को अमेरिका से डिपोर्ट कर दिया गया। शुभम करीब एक माह पहले 28 जनवरी को मैक्सिको की दीवार फांदकर अमेरिका में घुसा था। वहीं, शुभम की शिकायत पर थाना मॉडल टउन पुलिस ने दो सगे भाई एजेंटों के खिलाफ उससे 32 लाख रूपये की ठगी करने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। शुभम ने बताया कि वह, पानीपत में डिलिवरी ब्वॉय का काम करता था। इस दौरान घर पर दो सगे भाई संदीप व मंदीप निवासी गांव अहर जिला पानीपत आकर मिले। संदीप ने कहा कि वह उसे अमेरिका भिजवा देगा। वहां काम दिलवाने की भी जिम्मेदारी उनकी ही है। आरोपियों ने शुभम का पासपोर्ट और रूपये ले लिए। 28 जनवरी को संदीप ने अमेरिका जाने के लिए उससे दीवार कूदवा दी। जहां उसे अमेरिका पुलिस ने पकड़ लिया और उसे कैंप में डाल दिया। अमेरिका पुलिस ने गैर कानूनी पाए जाने पर वापस पनामा भेज दिया। वहां से 28 फरवरी को उसे दिल्ली एयरपोर्ट वापस भेज दिया।

शादी समारोह में गहनों-नकदी से भरा बैग लेकर बालक फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला-जगाधरी हाईवे स्थित साहा के पास एक शादी समारोह के दौरान एक बच्चा बैग चोरी कर फरार हो गया। शादी में शामिल एक 13 साल के बच्चे ने इस वारदात को अंजाम दिया। बच्चा दूल्हे के पिता का लाखों के जेवर और नकदी से भरा बैग चुरा लिया। घटना 25 फरवरी को जश्न पैलेस तेपला में हुई। यहां यमुनानगर की प्रोफेसर कॉलोनी के रहने वाले राकेश धीमान के बेटे अमन धीमान की शादी मंगलई की वैशाली के साथ हो रही थी। राकेश धीमान ने बताया कि वह शादी में अपने साथ एक काले रंग का बैग लाए थे, जिसमें दुल्हन की ज्वेलरी—हार, अंगूठी, कान के कांटे, चार तोले सोने का मंगलसूत्र और 65,000 रुपये की नकदी थी।

सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, चोरी करने वाला बच्चा किसी आम मेहमान की तरह शादी में शामिल हुआ। वह सूट-बूट पहनकर रिश्तेदारों के बीच बैठा और सही मौका मिलते ही बैग लेकर फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से बच्चे की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

इंतजार करते रहे लड़की पक्ष के लोग, नहीं पहुंची बारात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- शादी में बड़ी कार व दस लाख रुपये मांगने का आरोप
- आरोपी लड़के समेत परिवार के पांच लोगों पर केस दर्ज

जिले के थाना छप्पर क्षेत्र के एक गांव में आयोजित शादी समारोह में दूल्हे पक्ष के लोग बारात लेकर नहीं पहुंचे। पैलेस में आयोजित शादी समारोह में बारात के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थी। इंतजार के बाद जब लड़की पक्ष ने लड़के के पिता को फोन किया तो पहले तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। बाद में फोन करके शादी में बड़ी कार व 10 लाख रुपये की मांग की। बड़ी कार व 10 लाख रुपये न देने पर आरोपियों ने बारात लेकर आने से मना कर दिया। लड़की के पिता ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी लड़के व उसके परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार थाना छप्पर क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पास एक लड़क व लड़की है। उसकी 22 वर्षीय लड़की बीकॉम पास है। उसने अपनी लड़की की सगाई अंबाला के रामपुरा चौक स्थित आजाद नगर कॉलोनी निवासी गगनदीप के साथ की थी। आरोपी युवक फौजी है। उसने अपनी लड़की की सगाई में तीन से चार लाख रुपये खर्च किए थे। उसने शादी के लिए 24 फरवरी का दिन तय था। जिसके लिए उसने पाबनी रोड स्थित रोयल ग्रीन फार्म बुक किया था। 23 फरवरी को वह रिश्तेदारों के साथ आरोपियों के घर सगन लेकर गए थे। जहां उन्होंने स्त्रीधन आरोपियों को दे दिया था। 24 फरवरी को पैलेस में बारात आनी थी। उन्होंने बारात के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी कर ली थी। उनकी तरफ से सभी मेहमान पैलेस में आ गए थे। मगर बारात 12 बजे तक भी पैलेस में नहीं पहुंची। इंतजार करने के बाद जब उसने लड़के के पिता कुलदीप सिंह को फोन किया तो पहले उन्होंने फोन नहीं उठाया। बाद में उसके पास आरोपी का मैसेज आया और कहा कि वह बारात लेकर नहीं आएगें। उन्होंने शादी में बड़ी कार देने का इंतजाम नहीं किया हुआ है। उसने कहा कि अगर बारात बुलवानी है तो शादी में बड़ी कार व 10 लाख रुपये देने होंगे। अगर वह ऐसा नहीं करते तो बारात नहीं आएगी। इसके बाद उन्होंने शादी का कार्यक्रम कैंसल कर दिया। जिससे उनकी सामाज में बदनामी हुई है। लड़की के पिता ने बताया कि जांच के दौरान उन्हें पता चला कि दहेज के लालच में उस लड़के के दो रिश्ते पहले भी टूट चुके हैं।

उसने आरोप लगाया कि गगनदीप, कुलदीप, रणजीत कौर, हरविंद्र कौर और गुरमेल सिंह दहेज के लालच में बारात लेकर नहीं आए। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव तंदवाल में 20 फीट तक घसीटते हुए चली निजी स्कूल वैन

छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन का निकला पहिया, हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

- वैन ड्राइवर ने नहीं सुनी ग्रामीणों की आवाज

गांव तंदवाल में शनिवार को सुबह उस वक्त एक बड़ा हादसा टल गया जब बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक निजी स्कूल की वैन का पिछला पहिया निकल गया। इस हादसे में किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी नहीं हुई। गांव अधोई स्थित एक निजी स्कूल की प्राइवेट वैन सुबह के समय गांव तंदवाल से बच्चों को स्कूल लेकर जा रही थी। जब बच्चों से भरी वैन सडक़ से गुजर रही थी तो ग्रामीणों ने देखा कि वैन का पिछला पहिया निकलने वाला है। इसके बाद ग्रामीणों ने वैन चलाने वाले ड्राइवर को आवाज देकर गाड़ी रोकने को भी कहा लेकिन उसने गाड़ी को नहीं रोका। गांव से बाहर निकलते ही लगभग 500 मीटर चलने के बाद तेज रफ्तार स्कूल वैन का पिछला पहिया निकल गया। वैन बिना पहिए के लगभग 20 फीट तक सडक़ पर घसीटते हुए चली। सडक़ पर बिना पहिए की गाड़ी चलती देख वैन के अंदर बैठे मासूम बच्चे डर गए और चीखने चिल्लाने लगे। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

वैन लगभग 20 मीटर तक चलने के बाद रूक गई। इसकी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। उसके बाद जब ग्रामीणों ने ड्राइवर को खूब खरी-खोटी सुनाई लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद भी वहर कुछ नहीं बोला। ग्रामीणों को बाद में पता चला कि ड्राइवर शायद कुछ नशे में था। इसी वजह से उसने ग्रामीणों की आवाजों पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद ड्राइवर ने दूसरी गाड़ी को मौके पर बुलाया7 गाड़ी में 7 से 8 बच्चे सवार थे।

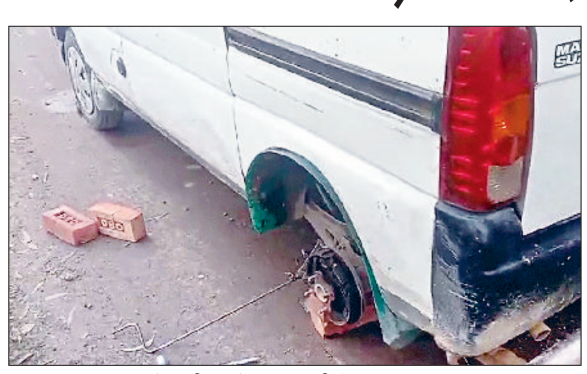
बराड़ा। सड़क किनारे खड़ी प्राइवेट स्कूल की वैन, जिसका निकला था पहिया।

प्राइवेट गाड़ी से बच्चों को ढो रहे स्कूल

जिस स्कूल की यह वैन बताई जा रही है। उस स्कूल ने नियमानुसार स्कूल बस की बजाय प्राइवेट वैन को बच्चों को लाने ले जाने के लिए लगा रखा है जोकि गलत है। न ही इस वैन में कोई सहायक मौजूद था और न ही यह स्कूल बस के लिए निर्धारित मापदंडो के अनुसार थी। ग्रामीणों ने स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाने की मांग की है।

आज निकाय चुनावों को लेकर रहेगा अवकाश

करनाल। आज निकाय चुनावों को लेकर प्रदेशभर में अवकाश रहेगा। यद्यपि 2 मार्च रविवार का दिन है इसलिए सभी सरकारी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों और शैक्षणिक संस्थानों में स्थानीय शहरी निकाय संस्थानों में चुनावों के दृष्टिगत अवकाश रहेगा। मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार ने इस विषय में धारा 135बी के अन्तर्गत आदेश जारी किये हैं कि किसी भी व्यापार, व्यवसाय, औद्योगिक प्रतिष्ठानों अथवा ऐसे किसी भी निजी संस्थान में कार्यरत उन कर्मियों के लिए 2 मार्च को वेतन सहित अवकाश रहेगा जिनकी वोट इन नगर निगमों/परिषदों अथवा पालिकाओं में है। इस छुट्टी के लिए न तो मालिक कोई छुट्टी काटेगा और न ही इसके लिए वेतन में कटौती की जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया 2 मार्च को संबंधित नगर निकायों में सभी फैक्ट्रियां बंद रखने के आदेश जारी किये गये हैं। इन सभी फैक्ट्रियों में कार्यरत उन कर्मचारियों के लिए वेतन सहित अवकाश रहेगा जिनके वोट इन शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में डाले जाने हैं। श्रम आयुक्त ने यह भी आदेश जारी किये हैं कि सभी दुकानें एवं व्यवसायिक संस्थान अपने उन कर्मियों के लिए वेतन सहित अवकाश देंगे जिनके वोट इन शहरी स्थानीय निकायों में बने हुये हैं।

पिपली नीलधारी गुरुद्वारा साहब में मुख्यमंत्री सैनी ने टेका माथा

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते नीलधारी गुरुद्वारा साहब पिपली के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

- तीन गुणा गति से विकास करवाने की सरकार की गारंटी : सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नगर निकाय के चुनावों का प्रचार-प्रसार बंद होने के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सीधा हल्का लाडवा में पहुंचे। यहां पर फुर्सत के अहम क्षणों को हल्का के नागरिकों के साथ बिताया। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हल्का के नागरिकों के साथ मन की बात को सांझा किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को अचानक हलका लाडवा में नागरिकों के साथ मन की बात को सांझा करने के लिए पहुंचे। मुख्यमंत्री सबसे पहले हल्का के नीलधारी गुरुद्वारा साहब पिपली में पहुंचे और यहां पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रीगुरु ग्रंथ साहब को माथा टेका और प्रसाद ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के नागरिकों की सुख शांति के लिए अरदास भी की। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा और भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील राणा, भाजपा प्रदेश सचिव राहुल राणा ने भी श्री गुरु ग्रंथ साहब को माथा टेका और प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हल्का लाडवा के कुनाल शर्मा, पंकज बजाज, राजन वडेरा, लक्की गर्ग, पवन अटवाल, नीरज अग्रवाल सहित अन्य नागरिकों से अपने मन की बात को सांझा किया और उनके परिवारजन का हाल चाल भी पूछा।

पुलिस कंट्रोल रूम को लूट की झूठी सूचना देना युवक को पड़ा महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर किया गिरफ्तार
- आरोपी युवक ने एक लाख 20 हजार रुपये, अंगूठी व चेन लूटने की दी थी सूचना

पुलिस कंट्रोल रूप में लूट की झूठी सूचना देना एक युवक को महंगा पड़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान लूट की सूचना झूठी मिली। बाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने शराब पी हुई थी। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल करवाकर उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक ने शराब के नशे में पुलिस कंट्रोल रूम में कार सवार दो लड़कों द्वारा उससे एक लाख 20 हजार रुपये कैश, सोने की अंगूठी व चेन लूटने की सूचना दी थी।

थाना छप्पर पुलिस थाने में तैनात एएसआई राजेंद्र ने बताया कि रात को करीब पौने दस उसे पुलिस कंट्रोल रूप में सूचना आई कि गांव जागधौली के पास कार सवार दो युवकों ने गांव जागधौली निवासी विजय कुमार से एक लाख 20 हजार रुपये कैश, सोने की अंगूठी, चांदी की चेन तथा जरूरी दस्तावेज लूट किए हैं।

नशे में था आरोपी

सूचना मिलते ही वह सिपाही प्रिंस पाल के साथ पुलिस गाड़ी में उक्त स्थान पर पहुंचा। जागधौली के पास सड़क पर उन्हें एक युवक मिला। आरोपी ने नशा किया हुआ था। जो कि सड़क से गुजरने वाले लोगों से ऊंची आवाज में बात कर रहा था। उन्होंने युवक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम विजय पाल बताया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने शराब के नशे में पहले भी पुलिस कंट्रोल रूप में फोन कर पुलिस को गुमराह किया है। पुलिस टीम को जब लूट की झूठी सूचना का पता चला तो टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी को सिविल अस्पताल में ले जाकर उसका मेडिकल करवाया। बाद में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 355 व 217 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

स्वास्थ्य विभाग ने नकली ग्राहक भेज एमटीपी किट खरीदी, 61 दवाएं जब्त कर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त हरियाणा और राज्य औषधि नियंत्रक हरियाणा के निर्देशानुसार, हरियाणा में एमटीपी किट की अवैध बिक्री की जांच करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी, जिसे लेकर सिविल सर्जन, करनाल ने एमटीपी किट की अवैध बिक्री पर शिकंजा कसने के लिए उप सिविल सर्जन व नोडल अधिकारी एमटीपी डॉ शीनू चौधरी, औषधि नियंत्रण अधिकारी करनाल-द्वितीय रितु मेहला और औषधि नियंत्रण अधिकारी, करनाल-प्रथम विकास राठी की एक टीम गठित की गई।

औषधि नियंत्रण अधिकारी विकास राठी ने बताया कि टीम ने 28 फरवरी की रात में निकट माता मंदिर, शिव कॉलोनी, करनाल में स्थित परवीन क्लिनिक पर एक नकली ग्राहक बनाकर एमटीपी किट खरीदने के लिए भेजा और उक्त क्लिनिक के प्रभारी परवीन ने गर्भावस्था के चिकित्सीय समापन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एमटीपी किट नकली ग्राहक को बेच दी और इसके लिए एक हजार रुपये का शुल्क लिया। फिर टीम ने उस परिसर में छापेमारी की। टीम ने बेची गई एमटीपी किट और पांच सौ रुपये के दो नोट बरामद भी किए। उन्होंने बताया कि टीम ने उक्त परिसर की भी तलाशी ली और बिक्री के लिए भारी मात्रा में विभिन्न प्रकार की एलोपैथिक दवाएं रखी हुई मिलीं। उक्त क्लिनिक के प्रभारी परवीन सिंह ने वैध दवा लाइसेंस या डिग्री नहीं दिखाई जो उन्हें एलोपैथिक दवाओं के प्रदर्शन, बिक्री, स्टॉक और अभ्यास करने की अनुमति देती है। टीम ने उसके क्लीनिक में स्टॉक की गई 61 प्रकार की दवाओं के साथ-साथ बेची गई एमटीपी किट को भी जब्त कर लिया।

क्लीनिक के मालिक ने बरामद एलोपैथिक दवाओं और उनके द्वारा बेची गई एमटीपी किट का खरीद रिकॉर्ड पेश नहीं किया। परिसर के मालिक के खिलाफ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में केयू महिला टीम चैम्पियन

- ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के न्यू जिम्नेजियम हॉल में 24 फरवरी से 1 मार्च के बीच आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता में केयू महिला बास्केटबॉल ने इतिहास रचते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने केयू महिला बास्केटबाल टीम के सभी खिलाड़ियों, कोच एवं खेल निदेशक प्रो. डीएस राणा को इसके लिए बधाई दी। कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने विजेता केयू महिला बास्केटबॉल टीम की सभी महिला खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित करते हुए कहा कि वर्तमान में हमारी बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी रहकर विश्वविद्यालय, राज्य एवं देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षित होने तथा हर क्षेत्र में आगे बढ़ने से ही देश तरक्की कर सकता है। शिक्षा, शोध, विज्ञान तथा खेल सहित सांस्कृतिक क्षेत्रों में हमारी बेटियां बेटों से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि केयू महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में केयू को गौरवान्वित किया है। उन्होंने 3 से 8 मार्च के बीच आयोजित होने वाले ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए भी केयू महिला बास्केटबॉल खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में लगभग 41 विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया था। उन्होंने बताया कि 3 मार्च से 8 मार्च 2025 के बीच कुवि के न्यू जिम्नेजियम हॉल में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। इस मौके पर खेल निदेशक प्रो. डीएस राणा, कोच राजेश राजौंद, राजेश मैहला, मोनिका, मलकीत सिंह तथा डॉ. राजेश सोबती आदि मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र। विजेता टीम के खिलाड़ी।

देसी कट्टा और मैगजीन समेत युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। सीआईए वन पुलिस टीम ने अधोया टी प्वाइंट से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देसी कट्टा, मैगजीन व सात जिंदा राउंड बरामद किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सीआईए वन पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि पठान मौहल्ला सरस्वती नगर निवासी अनिकेत जोरावर ने अपने पास देसी कट्टा रखा हुआ है। आरोपी इस समय अधोया मोड के पास घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने अधोया मोड पर जाकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से देसी कट्टा, एक मैगजीन जिसमें दो जिंदा राउंड थे बरामद किए।

सरकारी काम में बाधा पहुंचाने पर तीन आरोपी किए गिरफ्तार

पिहोवा। पुलिस ने सरकारी काम में बाधा पहुँचाने, सरकारी कर्मचारी सीबीआई निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह पर हमला करने के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना सदर पिहोवा पुलिस की टीम ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने तथा सरकारी कर्मचारी पर हमला करने के आरोपी वरुनजीत सिंह वासी गुमथला गढ़ु, खुशदीप सिंह वासी भेगपुर जिला कैथल व निशान सिंह वासी मांगना जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना सदर पेहवा के अंतर्गत पुलिस चौंकी गुमथला गढू पुलिस को दी अपनी शिकायत में सीबीआई निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह ने बताया कि 27 फरवरी को वह थाना सदर पिहोवा एरिया में वेरिफिकेशन करने आया था। समय करीब 6 बजे शाम को हरिगढ़-भोरख में वेरिफिकेशन कम्पलीट करने के बाद वह गांव मांगना पहुंचा जहां पर उसने गांव के व्यक्तियों से निशान सिंह के घर का पता पूछकर उसका दरवाजा खटखटाया। उसने निशान सिंह को अपना परिचय दिया और अपना पहचान पत्र दिखाया। उसके बाद निशान सिंह द्वारा उसकी बात फोन पर जसवरण से करवाई। कुछ देर बाद निशान सिंह ने बाहर से 5/6 लडके बुला लिए। उन लडकों ने आते ही उसके साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी। जब उसने उनका विरोध किया तो उन लडको ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

चुनाव को लेकर रहेगा अवकाश, मिलेगा वेतन

करनाल। जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया कि यद्यपि 2 मार्च रविवार का दिन है इसलिए सभी सरकारी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों और शैक्षणिक संस्थानों में स्थानीय शहरी निकाय संस्थानों में चुनावों के दृष्टिगत अवकाश रहेगा। मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार ने इस विषय में धारा 135बी के अन्तर्गत आदेश जारी किये हैं कि किसी भी व्यापार, व्यवसाय, औद्योगिक प्रतिष्ठानों अथवा ऐसे किसी भी निजी संस्थान में कार्यरत उन कर्मियों के लिए 2 मार्च को वेतन सहित अवकाश रहेगा जिनकी वोट इन नगर निगमों/परिषदों अथवा पालिकाओं में है। इस छुट्टी के लिए न तो मालिक कोई छुट्टी काटेगा और न ही इसके लिए वेतन में कटौती की जायेगी।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

घरौंडा। गांव कोहण्ड के समीप एक मोटरसाइकिल सवार को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार पूरी तरह से घायल हो गया जिसको घायल अवस्था में करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है पुलिस ने शिकायत के आधार पर जाँच आरम्भ कर दी है।

सूने मकान से स्कूटी लेकर चोर फरार

तरावड़ी। एक सूने मकान में दो अज्ञात चोरों ने एक्टिवा स्कूटी चोरी करके फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार धोबी महोल्ला वार्ड नंबर 2 के निवासी भारत सचदेवा ने बताया कि रात दस बजे साथ वाले मकान में अपनी स्कूटी को खड़ा कर आया और बाहर से मेंन गेट का ताला लगा दिया। सुबह जब एक्टिवा स्कूटी उठाने के लिए गया तो देखा में गेट का ताला टूटा हुआ है और अंदर से एक्टिवा गायब है। उसने 121 पुलिस को डायल करके सूचना दी।

8 मार्च को लगेगी नेशनल लोक अदालत

करनाल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने बताया कि 8 मार्च 2025 को जिला न्यायालय, करनाल सहित असंध व इंद्री की अदालतों में प्रातः: 10 बजे से नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कोई भी व्यक्ति अदालतों में लंबित मुकदमों का निपटारा आपसी समझौते के जरिए कर सकता है।

सेलुलर व कॉर्डलेस के प्रयोग पर पाबंदी सिंह

करनाल। जिलाधीश उत्तम सिंह ने बताया कि नगर निगम करनाल आम चुनाव, असंध नगरपालिका अध्यक्ष उप-चुनाव व तरावड़ी वार्ड नंबर 5 में पार्षद उप-चुनाव तथा नगरपालिका इंद्री व नीलोखेड़ी में अध्यक्ष व पार्षदों के आम चुनाव के लिए 2 मार्च को प्रातः 8 बजे से सांय 6 बजे तक मतदान होगा और 12 को मतगणना होगी। धारा 163 की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला में सभी मतगणना केंद्रों से 100 मीटर की परिधि में किसी भी सेलुलर फोन, कॉर्डलेस फोन, वायरलेस फोन आदि को ले जाने पर पाबंदी लगाई गई है।

आज सुबह 8 बजे से सायं 6 बजे तक होगा मतदान

पोलिंग पार्टियां चुनाव सामग्री एवं ईवीएम लेकर अपने-अपने बूथों के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंद्री

एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी अशोक मुंजाल ने कहा कि नगरपालिका चुनाव में जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी मतदान करवाने में लगी हुई है ऐसे सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी ड्यूटी को पूरी निष्ठा से करें। चुनाव को स्वतंत्र व निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने में अधिकारियों व कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर घबराएं नहीं बल्कि इसकी सूचना संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर व ड्यूटी मजिस्ट्रेट को दें। एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी अशोक मुंजाल खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के सभागार में पोलिंग पार्टियों को चुनाव सामग्री वितरित करने से पूर्व पोलिंग पार्टियों को दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने पोलिंग पार्टियों को फाईल रिहर्सल के बाद चुनाव सामग्री वितरित करके उन्हें अपने-अपने मतदान केंद्र के लिए रवाना किया। उन्होंने पोलिंग पार्टियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर आज शाम को ही मतदान प्रक्रिया से संबंधित सभी आवश्यक प्रबंधों को ठीक प्रकार से करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, शौचालय, बिजली, शेड, दिव्यांगों के लिए रैंप, व्हीलचेयर उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होने बताया कि मतदान प्रक्रिया से पूर्व सुबह 7 बजे मॉक पोल करवाना अवश्य सुनिश्चित करें। चुनाव शुरू होने से पहले किया जाने वाला मॉक पोल चुनाव को पारदर्शी बनाने की सबसे अहम कसौटी है। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को मतदान सुबह आठ बजे शुरू हो जाना चाहिए। इसलिए अपनी मॉक पोल की प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शुरू कर दें और इसे सभी चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के एजेंटों की उपस्थिति में करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक जारी रहेगी।

इंद्री। चुनाव सामग्री व ईवीएम मशीन लेकर जाती पोलिंग पार्टियां व ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक। *फोटो: हरिभूमि*

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

उपायुक्त उत्तम सिंह एवं पुलिस अधीक्षक गंगा राम पूनिया ने संयुक्त रूप से खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के सभागार में बने ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करते हुए एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी से मतदान प्रक्रिया से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी अधिकारी व कर्मचारी आपस में तालमेल बना कर रखें। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान स्ट्रांग रूम के सभी दरवाजे व खिडकियां सही हालत में होनी चाहिए तथा ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का उचित प्रबंध अवश्य होने चाहिए।

निकाय चुनावों को लेकर रहेगा अवकाश सभी कर्मियों को मिलेगा वेतन

करनाल। जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया कि यद्यपि 2 मार्च रविवार का दिन है इसलिए सभी सरकारी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों और शैक्षणिक संस्थानों में स्थानीय शहरी निकाय संस्थानों में चुनावों के दृष्टिगत अवकाश रहेगा। मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार ने इस विषय में धारा 135बी के अन्तर्गत आदेश जारी किये हैं कि किसी भी व्यापार, व्यवसाय, औद्योगिक प्रतिष्ठानों अथवा ऐसे किसी भी निजी संस्थान में कार्यरत उन कर्मियों के लिए 2 मार्च को वेतन सहित अवकाश रहेगा जिनकी वोट इन नगर निगमों/परिषदों अथवा पालिकाओं में है। इस छुट्टी के लिए न तो मालिक कोई छुट्टी काटेगा और न ही इसके लिए वेतन में कटौती की जायेगी। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को संबंधित नगर निकायों में सभी फैक्ट्रियां बंद रखने के आदेश जारी किये गये हैं। इन सभी फैक्ट्रियों में कार्यरत उन कर्मचारियों के लिए वेतन सहित अवकाश रहेगा जिनके वोट इन शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में डाले जाने हैं। इसी प्रकार श्रम आयुक्त ने यह भी आदेश जारी किये हैं कि सभी दुकानें एवं व्यवसायिक संस्थान अपने उन कर्मियों के लिए वेतन सहित अवकाश देंगे जिनके वोट इन शहरी स्थानीय निकायों में बने हुये हैं। डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि इस संबंध में श्रम आयुक्त, हरियाणा को हिदायत दी गई है कि उपरोक्त आदेशों की सख्ती से पालना करवाई जाये। यदि किसी निजी व्यवसाय, दुकानदार अथवा फैक्ट्री मालिक के विरूद्ध इस विषय में कोई शिकायत प्राप्त होती है तो इस बारे में संबंधित अधिनियमों के अन्तर्गत सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न करवाने के लिए डटा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया कि नगर निगम करनाल में मेयर व नगर पार्षदों के चुनाव के लिये रविवार 2 मार्च को प्रातः 8 बजे से लेकर सांय 6 बजे तक मतदान होगा। निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसी कड़ी में शनिवार को सेक्टर-14 स्थित पंडित चिरंजीलाल राजकीय महाविद्यालय परिसर से ईवीएम सेट व अन्य चुनाव सामग्री को लेकर पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों के लिये रवाना हो गईं हैं। उपायुक्त ने इस मौके पर पोलिंग पार्टियों को चुनाव से संबंधित जरूरी हिदायतों के बारे में अवगत कराया और कहा कि सभी पोलिंग पार्टियां पूरी निष्ठा व ईमानदारी से चुनाव में अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें, किसी के साथ पक्षपात न होने दें। उन्होंने कहा कि पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों पर पहुंचते ही सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि बूथ के आसपास कहीं किसी राजनीतिक पार्टी अथवा उम्मीदवार का पोस्टर, बैनर तो नहीं लगा है। दीवार पर यदि नारे भी लिखे गये हैं तो उसे साफ करा दें। पीठासीन अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मतदान केंद्र के सौ मीटर के दायरे में ऑब्जर्वर/माइक्रो ऑब्जर्वर के अलावा अन्य कोई व्यक्ति मोबाइल फोन का प्रयोग न करे।

दिए सख्त निर्देश

इस मौके पर पुलिस आईजी कुलदीप सिंह ने कॉलेज भवन में स्थापित स्ट्रॉग रूम का निरीक्षण करके प्रबंधों का जायजा लिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया ने पोलिंग पार्टियों से कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सभी पोलिंग पार्टियों के साथ पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा ड्यूटी मजिस्ट्रेट व सेक्टर सुपरवाइजर के साथ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर एआरओ राजेश सोनी, एआरओ गौरव कुमार, एआरओ राजीव प्रसाद, एआरओ सतीश कुमार व एआरओ कुलदीप सिंह तथा डीएसपी राजीव व नायब सिंह सहित सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट व सेक्टर सुपरवाइजर मौजूद रहे।

दिल से कार्यक्रम में डांस की धूम

- जेसीआई करनाल गोल्ड की ओर से दिल से सेलिब्रेशन कार्यक्रम कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

जेसीआई करनाल गोल्ड की ओर से एक निजी होटल में 'दिल से सेलिब्रेशन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य स्वागत और औपचारिक उद्घाटन से की गई। सदस्यों ने बाद डांस परफॉर्मेंस, एंटाक्षरी, प्ले ज़ोन और अन्य मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लिया। टीम की शानदार परफॉर्मेंस ने सभी का मन मोह लिया और माहौल को और भी रंगीन बना दिया। जेसीआई करनाल गोल्ड के अध्यक्ष परमोद बंसल ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे सदस्यों के आपसी प्रेम, सहयोग और एकता का प्रतीक है। हम आगे भी इसी जोश और जुनून के साथ और बेहतरीन कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। सभी सदस्यों के सहयोग और उत्साह से यह शाम बेहद खास बन गई। संस्था के मीडिया प्रभारी अनीश गुप्ता ने सभी सदस्यों व करनालवासियों से अपील की कि दो मार्च को वोट जरूर डालें। आयोजन के अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभी ने इस खूबसूरत पल को सेलिब्रेट किया और इसे एक यादगार आयोजन के रूप में स्थापित किया। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट डायरेक्टर जेसी आशीष चावला, जेसीआरटीटी आशिमा चावला, प्रोजेक्ट एडवाइजर जेसी संदीप अरोड़ा, जेसीआरटीटी ममता अरोड़ा, को प्रोजेक्ट डायरेक्टर जेसी सुधीर चावला, जेसीआरटीटी सोमया चावला, जेसी दिनेश सिंगला, भावना सिंगला आदि रहे।

लोकतंत्र में मर्यादा का हनन कर रहे मनोज वधवा

- अगर किसी ने धमकी दी है तो एसपी को लिखित शिकायत दें : जगमोहन आनंद
- जगमोहन आनंद ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेस उम्मीदवार मनोज वधवा पर साधा निशाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी मनोज वधवा पर निशाना साधते हुए कहा कि वें लोकतंत्र की मर्यादा का हनन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि मनोज वधवा को किसी ने धमकी दी है तो वे एसपी को लिखित शिकायत दें। उनके पास उक्त व्यक्ति का मोबाइल नंबर भी होगा। करनाल में कानून का राज है और एक विधायक होने के नाते मैं भी उनके लिए एसपी को फोन करूंगा। उन्होंने कहा कि मनोज वधवा धमकी देने की बात तो कर रहे हैं, वो पुलिस को जाकर शिकायत क्यों नहीं करते। विधायक जगमोहन आनंद ने मनोज वधवा यह भी कह रहे हैं कि किसी व्यक्ति ने उन्हें पैसों का लालच दिया है। यदि ऐसी बात है तो वह उस व्यक्ति का नाम भी उजागर करें। जब मनोज वधवा प्रेसवार्ता कर ऐसी बातें बता सकते हैं तो उक्त व्यक्ति का नाम भी उजागर करें ताकि आम लोगों को भी यह पता चल सके कि आखिरकार उन्हें कौन खरीदना चाह रहा है। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि चुनाव के दौरान इस तरह के स्टंट किए जा रहे हैं, आमजन इससे बहकने वाला नहीं है। जनता ने भाजपा की प्रत्याशी रेनू बाला गुप्ता को मेयर चुनने का मन बना लिया है।

टिकटें खरीदने का कल्चर कांग्रेस में होगा

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि मनोज वधवा ने टिकटें खरीदने का आरोप लगाया है। ऐसा कल्चर भारतीय जनता पार्टी में नहीं है। मेयर रेनू बाला गुप्ता का चुनाव मैं लड़ा रहा हूं, उनकी टिकट मैं लेकर आया हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में जरूर टिकट खरीदने का कल्चर होगा। मनोज वधवा डिबेट की बात करते हैं। यह जनता की अदालत है। 2 तारीख को चुनाव होना है, जनता वोट देगी और फैसला करेगी।

ईवीएम पर पहरा बैठा लें

विधायक ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी पहले ही ईवीएम पर पहरा बैठा लें। जीत के बाद उन्होंने आखिरकार ईवीएम पर ही आरोप लगाने हैं। इसलिए चुनाव से पहले ही जिला प्रशासन को जो चिट्ठी देनी है, दे लें।

स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

- हर्षोल्लाह से मनाया गया विद्यालय का 42 वां स्थापना दिवस समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी

गीता मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल का 42 वां स्थापना दिवस समारोह बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने संपूर्ण विद्यालय को रंग बिरंगी लड़ियों ,गुब्बारों और रंगोली से सुसज्जित किया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में हवन का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक महोदय बालकृष्ण त्रिपाठी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती रागिनी राय ने संपूर्ण शिक्षकवृंदों के साथ मिलकर हवन में भाग लिया। तदोपरांत बालकृष्ण त्रिपाठी जी एवं प्रधानाचार्य रागनी राय जी ने शिक्षकों सहित केक काटकर स्थापना दिवस मनाया ।बच्चों ने अपने विद्यालय को लेकर सुंदर कविताएं एवं अपने मनोभाव व्यक्त किए। बच्चों ने गीत ,नृत्य ,प्रश्नोत्तरी ,नाटक और कई अन्य गतिविधियों के जरिए विद्यालय स्थापना दिवस मनाया।

तरावड़ी। प्रबंधक बालकृष्ण त्रिपाठी एवं प्रधानाचार्या रागिनी राय ने संपूर्ण शिक्षकवृंदों के साथ हवन में भाग लेते हुये। *फोटो: हरिभूमि*

दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों एंव कर्मचारियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। महोदय श्री बाल कृष्ण त्रिपाठी जी ने विद्यालय के 42 वर्षों के सफर और सफलताओं के बारे में बताया कि किस प्रकार संघर्षों का सामना करते हुए विद्यालय आज उन्नति के शिखर पर पहुंचा है। उन्होंने उन सभी सहभागियों के बारे में बताया जिन्होंने विद्यालय को उन्नति के चरमोत्कर्ष पर पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रागिनी राय जी ने विद्यालय के सभी शिक्षकों ,कर्मचारियों ,अभिभावकों और बच्चों को विद्यालय स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि इस विद्यालय में सिर्फ शिक्षा ही नहीं अपितु अनुशासन ,कर्तव्य और निष्ठा का पाठ भी बच्चों को पढ़ाया जाता है।

आउटरिच में समूहों की भूमिका बताई

- पीएनबी ने किया कृषि आउटरिच कार्यक्रम का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा कृषि आउटरिच कार्यक्रम 2025 का सफल आयोजन जाट भवन, सेक्टर-12, करनाल में किया गया। यह कार्यक्रम स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण और टिकाऊ कृषि अवसंरचना को बढ़ावा देने पर केंद्रित था। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. सुरेश मल्होत्रा, कुलपति, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल द्वारा किया गया। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में कुमुद नेगी वार्ष्णेय, महाप्रबंधक पीएनबी कॉर्पोरेट कार्यालय, प्रधान कार्यालय, और सुरेश कुमार, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ उपस्थित रहे, जिनका जगजीत सिंह, मंडल प्रमुख पीएनबी करनाल द्वारा स्वागत किया गया। यहां कंवल कृष्ण, लीड जिला अधिकारी, आरबीआई क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़, अजीत सिंह, डीडीएम नाबार्ड, देवेंद्र सिंह मलिक, अध्यक्ष, एफपीओ करनाल, जोगिंदर लाठर, अध्यक्ष, जाट भवन, करनाल कृषि आउटरिच कार्यक्रम 2025 में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, किसानों और कृषि उद्यमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। चर्चा के मुख्य विषय वित्तीय समावेशन, ऋण संबंधी सुविधाएं, किसानों के लिए सरकारी योजनाएं और स्वयं सहायता समूह की क्षमता वृद्धि से संबंधित थे। इस आयोजन ने पीएनबी की कृषि विकास और ग्रामीण उद्यमिता को समर्थन देने की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि की।

स्वस्थ शरीर के लिए योग जरूरी

- साधकों को यौगिक क्रियाओं,आसन तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

मेरा मिशन स्वस्थ भारत के अंतर्गत फ़व्वॉरा पार्क सेक्टर 12 में मुख्य योग शिक्षक दिनेश गुलाटी द्वारा दूसरे दिन भी योग प्राणायाम का सत्र लिया गया। उन्होंने वहां पहुंचे साधकों को यौगिक क्रियाओं, आसन तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया।सत्र के दौरान उन्होंने कहा कि यदि हम ईश्वर में आस्था के साथ योग करे तो हम उसकी कृपा को स्वय ही महसूस करेंगे।और निश्चित ही परिणाम भी सकारात्मक होंगे।दिनेश गुलाटी ने बताया कि योग केवल क्रियाओं का अभ्यास ही नहीं है अपितु एक सम्पूर्ण जीवन शैली है। और यौगिक चिकित्सा मानव की हर बीमारी का समाधान प्रस्तुत करती है। योग मनुष्य को शारीरिक, मानसिक, आद्यात्मिक और बौद्धिक रूप से स्वस्थ रखता है। योग कक्षा में आज दिनेश गुलाटी ने योग कक्षा के निष्ठावान साथी रविन्द्र सांगवान को उनकी उन्नति होने पर पुलिस इंस्पेक्टर बनने पर लड्डू खिला कर बधाई दी। इस अवसर पर योग शिक्षक नीलम बठला,निधि गुप्ता , वीना धीर, एनफ़ चौधरी और अन्य साधक नरेंद्र चौधरी, प्रवीण, अजय, रामपाल, रविन्द्र सांगवान, अमर सिंह, विक्की, कमल, विकास, मीनू, ऋतु उपस्थित रहे।

राजकीय महिला कालेज बसताड़ा में खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित

शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ घरौंडा

राजकीय महिला महाविद्यालय, बसताड़ा में प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी के कुशल नेतृत्व एवं कार्यवाहक प्राचार्य श्री नरेश सिंह के योग्य मार्गदर्शन तथा स्पोर्ट्स क्लब संयोजिका श्रीमती रेनू कुमारी के सार्थक प्रयासों से दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 100, 200, 400, 800, 1500 मीटर रेस, शॉट पुट, भाला फेंक,मटकी रेस डिस्कस थ्रो,थ्री लेग रेस,लंबी कूद, ऊंची कूद,साइकिल रेस करवाई गई। छात्राओं ने खेलकूद प्रतियोगताओं में भाग लेते हुए भरपूर आनंद उठाया। प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि भीम अवार्ड विजेता सुमन कुंडू रही जो एशियन गेम और कॉमनवेल्थ गेम में भी विजेता रही है। उन्होंने छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि परिस्थितियों की परवाह के बिना उन्हें शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ना चाहिए जिससे वे अपने माता पिता और देश का नाम रोशन कर सकें ।प्राचार्य डॉ महेंद्र सिंह बागी जी ने भी छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास तभी हो सकता है जब वे शिक्षा के साथ-साथ खेलकूदों में भी बढ़-चढ़कर भाग ले।

विभिन्न खेलों में ये विद्यार्थी रहे प्रथम

100 मीटर रेस में संजीवनी प्रथम हिमांशी द्वितीय तनु तृतीय रही 200 मीटर रेस में हिमांशी प्रथम संजीवनी द्वितीय महक तृतीय रही। 400 मीटर रेस में हिमांशी प्रथम मीनाक्षी द्वितीय तनु देवी तृतीय रही। 800 मीटर रेस में संजीवनी प्रथम तनु शर्मा द्वितीय काजल तृतीय रही। 1500 मीटर रेस में वंशिका प्रथम तनु द्वितीय नीलाक्षी तृतीय रही। शॉट पुट में निकिता प्रथम निशा द्वितीय काजल तृतीय रही। भाला फेंक में अंशिका प्रथम निकिता द्वितीय काजल तृतीय रही। मटकी रेस में निकिता प्रथम शालू द्वितीय महक तृतीय रही। डिस्क थ्रो में निकिता प्रथम अंशिका द्वितीय मीनाक्षी तृतीय रही। थ्री लैग रेस में काजल निकिता प्रथम, नीलाक्षी तनु द्वितीय,काजल तनु तृतीय रही। लंबी कूद में संजीवनी प्रथम शालू द्वितीय काजल तृतीय रही। ऊंची कूद में संजीवनी प्रथम शालू द्वितीय काजल तृतीय रही। साइकिल रेस में काजल प्रथम का काजल द्वितीय पूजा तृतीय रही। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में संजीवनी को बेस्ट एथलीट चुना गया।

खबर संक्षेप

चोरी करने के दो आरोपी पकड़े

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने दो शातिर चोर राहुल पुत्र रमेश व विक्रम पुत्र दर्शन सिंह निवासी गांव संडील जिला जींद को एनएफएल नाका के पास से गिरफ्तार किया है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर फूल कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों ने राहुल पुत्र पंचम निवासी जाटल रोड का पर्स चोरी किया था। पर्स में आधार कार्ड, पेन कार्ड, ऑफिस के बिल व 9700 रुपये कैश था। इस मामले में थाना शहर में राहुल की शिकायत पर केस दर्ज है।

रेडक्रास ट्रेनिंग कैंप तीन से

पानीपत। उपायुक्त एंव जिला रेडक्रास सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र दहिया के कुशल मार्गदर्शन व डॉ. मुकेश अग्रवाल, महासचिव, भारतीय रेडक्रास सोसाइटी, हरियाणा, राज्य शाखा, चंडीगढ़ से प्राप्त निर्देशानुसार तीने से सात तक यूथ रेडक्रास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आर्य पीजी कालेज, पानीपत के प्रांगण में किया जाएगा। यह जानकारी रैड क्रॉस सचिव गौरव राम करण ने दी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर

पानीपत। रोहतक हाईवे पर एनसी मेडिकल कॉलेज के पास स्कूटी पर सवार 21 वर्षीय पारस वर्मा को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में पारस गंभीर रूप से घायल हो गया। पारस को एनसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इधर, थाना इसराना पुलिस ने घायल के पिता संजय वर्मा की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने मोबाइल चोर किया गिरफ्तार

पानीपत। थाना मतलौडा पुलिस की टीम ने मतलौडा स्थित पुरानी सब्जी मंडी में कपड़े की दुकान से मोबाइल चोरी करने वाले आरोपी कपिल पुत्र धर्मबीर निवासी गांव कवि जिला पानीपत को गिरफ्तार किया है। थाना मतलौडा प्रभारी ट्रेनिज डीएसपी ज्योति ने बताया कि चोरी की उक्त वारदात बारे थाना मतलौडा में तरूण मिगलानी की शिकायत पर केस दर्ज है।

योग करने से शरीर रहता है निरोग

पानीपत। आईबी कॉलेज में शनिवार को संस्कृत विभाग की ओर से योग एवं ध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बीबीए, स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला की संयोजिका संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका सोनिया वर्मा रही व प्रशिक्षिका अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका रेखा शर्मा रही। प्राचार्या डॉ. शशिप्रभा मलिक ने कहा कि ध्यान शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से कई लाभ प्रदान करता है। ध्यान अभ्यास करने से, व्यक्ति वर्तमान क्षण पर गहराई से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता विकसित करता है।

महाशिवरात्रि पर संतों को सम्मानित किया

पानीपत। श्री कैलाशी सेवा समिति की द्वारा महाशिवरात्रि पर महामण्डलेश्वर श्री अरूण दास जी महाराज को समारोह में आरएसएस के राष्ट्रीय विचारक राजेश गोयल, समिति के संरक्षक सेवा राम सिंगला, सुभाष मित्तल, डा.एचएलझा, प्रधान अशोक कैलाशी, कुलदीप गोयल, हरीश चुघ, नरेश सैनी, संजय धीमान, सतीश सैनी, नरेश मंडोत्रा सम्मानित करते हुए ।

यज्ञ करने से बच्चे बनते है संस्कारी

पानीपत। आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल में प्रतिदिन यज्ञ कराया जाता है। प्रत्येक कक्षा के बच्चे क्रमानुसार यज्ञ करते हैं ताकि बच्चों में संस्कार उत्पन्न हो और बच्चों का मानसिक विकास हो। प्रबंधन समिति के मुख्य सदस्य वीरेंद्र सिंगला हैं जो यज्ञ को अधिक महत्व देते हैं। वहीं वीरेंद्र सिंगला ने स्कूल में यज्ञ करने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा लेने के लिए आर्य समाज से पुरोहित को भेजा। यहां छात्रों को कुशलता पूर्वक हवन करते देख पुरोहित प्रभावित हुए।

एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में आयोजित क्विज प्रतियोगिता

युवाओं के ज्ञान में वृद्धि व व्यक्तित्व विकास में उपयोगी है क्विज : अरोड़ा

■ क्विज में भाग लेने से विज्ञान की समझ भी व्यापक बनती है

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

पानीपत। एसडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ अनुपम अरोडा, विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए। फोटो :हरिभूमि

एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतिम दिन क्विज, पेपर रीडिंग और पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहीं, क्विज में प्रथम खुशी, तम्मना, बुलबुल गीता विद्या मन्दिर गर्ल्स कॉलेज सोनीपत, द्वितीय अनूप, निकेश, अंकित, तृतीय भावना, दिव्या, ऋतिका एसडी पीजी कॉलेज पानीपत, पेपर रीडिंग प्रतियोगिता में प्रथम शिवांश कंप्यूटिंग, द्वितीय मीनू त्यागी डीएनए फिंगर प्रिंटिंग सांत्वना यशिका नैनो रिएक्टर विजेता रहे। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में प्रथम अनूप स्पेस शटल, द्वितीय साक्षी कृषि में विज्ञान, सांत्वना ख़ुशी और शिवानी मेटावर्स विजेता रहे। इधर, प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा ने कहा कि क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं के ज्ञान में वृद्धि होती है और उनमे आत्मविश्वास के भाव का संचार होता है। विज्ञान के विषयों पर तैयार की गई। इस क्विज का उद्देश्य विज्ञान से सम्बंधित आवश्यक जानकारी को प्रश्नों के रूप में प्रस्तुत करना था ताकि प्रतियोगी छात्र इनके अभ्यास द्वारा परीक्षाओं में पूछे जाने वाले प्रश्नों के स्वरुप से परिचित हो सकें और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में इनका लाभ मिल सके। क्विज में भाग लेने से विज्ञान की समझ भी व्यापक बनती है। उन्होंने कहा कि क्विज़ एक प्रकार की दिमागी कसरत है जिसमें प्रतिभागी सवालों के सही उत्तर देने का प्रयास करते हुए अपने बौद्धिक विकास को सक्रीय करता है। क्विज़ एक प्रकार का संक्षिप्त मूल्यांकन भी हैं जिसका प्रयोग शिक्षा या इसी प्रकार के अन्य क्षेत्रों में ज्ञान, योग्यता और कौशल में वृद्धि को मापने के लिए किया जाता है। उन्होंने विज्ञान के विद्यार्थियों से कहा कि वे इस प्रकार के आयोजनों में सक्रियता के साथ भाग ले क्यूंकि तभी वे जीवन में कुछ सीख पायेंगे। विद्यार्थियों ने अपने अनुभव और जीत को साझा करते हुए कहा कि उन्होनें इस प्रतियोगिता में प्रश्नों के सटीक उत्तर देकर इस इनाम को पाया है जिसमे उनके माता-पिता, एसडी कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य और स्टाफ सदस्यों का योगदान है। विज्ञान के विषयों में उनकी वैसे भी विशेष अभिरुचि है और वे भविष्य में इन विषयों में पारंगत बनना चाहते है।

पानीपत। पीएम श्री स्कूल में टीचर्स के साथ आर्य पीजी के जनसंचार विभाग के प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार। फोटो :हरिभूमि

अनुशासित मेहनत के बल पर मिलती है सफलता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

पानीपत के गांव पसीना खुर्द के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में पीएम श्री स्कूल (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) योजना के तहत एक दिवसीय विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर आर्य पीजी के जनसंचार विभाग के प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार ने शिरकत की। स्कूल के प्रधानाचार्य कृष्ण दत्त शर्मा ने मुख्य वक्ता का स्वागत कर आभार व्यक्त किया और पीएम श्री स्कूल की योजना के बारे में विस्तार से जानकारी ली। जबकि विस्तार व्याख्यान के वक्ता रहे डॉ. दिनेश कुमार विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी किस प्रकार अपने आस पास से जुड़ी समस्याओं और विषयों की जानकारी लेकर उनको किस तरह मीडिया के माध्यम से लोगों, प्रशासन व सरकार तक पहुंचाया जा सकता है। डॉ.दिनेश ने विद्यार्थियों को मीडिया के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि वे अपने लेखन कौशल को कैसे सुधार सकते है। अनुशासित मेहनत के बल पर सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ज़्यादा से ज़्यादा साहित्यिक पुस्तकें और समाचार पत्र अवश्य पढ़ना चाहिए। इस अवसर अध्यापक अजय, राहुल, प्राध्यापिका सविता आदि उपस्थित रहे।

रिफाइनरी के सीजीएम तरूण कुमार को दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

पानीपत। रिफाइनरी मानव संसाधन विभाग के सीजेएम तरूण बिसई को विदाई देते हुए विभिन्न गांवों के ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

पानीपत रिफाइनरी मानव संसाधन विभाग के मुख्य महाप्रबंधक तरूण कुमार बिसई का स्थानांतरण होने पर ददलाना वासियों ने महाराणा प्रताप स्टेडियम में विदाई समारोह का आयोजन किया। गांव में पहुंचने पर मुख्य महाप्रबंधक बिसई का पगड़ी पहनकर और पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया गया। बिसई ने विदाई समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे जितना प्यार और आशीर्वाद इस क्षेत्र के लोगों से मिला है उतना प्यार और आशीर्वाद मुझे शायद अपने गांव में मिले। इस क्षेत्र के लोग हमेशा रिफाइनरी के सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं। परंतु रिफाइनरी के अधिकारी भी इस क्षेत्र के लोगों से उतना ही प्यार करती है जितना यहां के लोग। उन्होंने कहा कि मेरा यहां से तबादला दिल्ली हुआ है जो आप लोगों से ज्यादा दूर नहीं है। आप लोगों के काम के लिए मैं हमेशा तैयार रहूंगा। पूर्व सरपंच ददलाना नैनपाल राणा और पानीपत ब्लॉक समिति अध्यक्ष दीपक राणा ने कहा कि रिफाइनरी में अधिकारी आते रहते हैं जाते रहते हैं। वहीं, जितना मान सम्मान इस क्षेत्र के लोगों को आपने दिया है ऐसा मान सम्मान शायद ही कोई दूसरा अधिकारी दे। इस अवसर पर उनके साथ आर.के. पाठक, ददलाना सरपंच प्रतिनिधि चरणजीत राणा, पूर्व सरपंच बोहली सज्जन सिंह, पूर्व सरपंच कुताना सरदार जोगा सिंह, शमशेर सिंह राणा, मास्टर भगवान दास राणा आदि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

फाइबर की फैक्ट्री आग में राख

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर छह स्थित फाइबर मेड फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। मशीन की मोटर में उठी चिंगारी से आग लगी थी। देखते ही देखते आग फैक्ट्री के शेड से बाहर निकल कर साथ में स्कूल तक पहुंच गई। जिसके बाद स्कूल वालों ने इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए आनन-फानन में स्कूल की छुट्टी कर बच्चों को घर भेज दिया। वहीं, आगजनी की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम नंबर डायल 112 पर दी। फैक्ट्री मालिक का आरोप है कि सूचना मिलने के करीब आधा घंटा बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक आग भड़क चुकी थी। वहीं, स्कूल प्रशासन का भी आरोप है कि दमकल कर्मियों ने अपनी मनमानी की। उन्होंने ठीक तरह से बात भी नहीं की और न ही किसी बात को माना। दमकल की चार गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं, फैक्ट्री के मालिक अंशुल ने बताया कि उनकी कई साल पुरानी ये फैक्ट्री है। फैक्ट्री का नाम बाला जी ट्रेडर्स है।

मातृ व शिशु मृत्यु दर को बढ़ावा देता है बाल विवाह : डॉ. नितेश

■ बाल विवाह के विरूद्ध राजकीय स्कूल, महावटी व उंझा में चलाया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

पानीपत। गांव उझा में बाल विवाह के खिलाफ जागरूक करते हुए हेल्थ निरीक्षक डॉ. नितेश। फोटो :हरिभूमि

एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महावटी में विद्यार्थियों और अध्यापकों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता दीपिका ने कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह अवैध और दंडनीय अपराध है। इस कानून के अंतर्गत हर उस व्यक्ति को सजा का प्रावधान है जो भी ऐसे बाल विवाह में किसी भी रूप में शामिल हों जैसे विवाह कराने वाले व्यक्ति माता-पिता, अभिभावक, रिश्तेदार या कोई अन्य जो बाल विवाह में संलिप्त हो, उन्हें दो साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। विवाह को संपन्न कराने वाले पुरोहित, मौलवी, पंड़ित, काजी या कोई अन्य व्यक्ति जो विवाह संपन्न कराए, वह भी दंडनीय अपराध के दायरे में आता है। जो कोई भी बाल विवाह को बढ़ावा देता है, सहायता करता है या इसमें भाग लेता है, उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। वहीं, स्वास्थ्य विभाग से हेल्थ निरीक्षक डॉ. नितेश ने आशा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह के कारण हर साल बड़ी संख्या में गर्भवती औरतों और गर्भ में ही बच्चों की मौत हो जाती है जो स्वास्थ्य विभाग के सामने बड़ी चुनौती है इसलिए बाल विवाह के खिलाफ लोगों को जागरूक करने में आशा कार्यकर्ताओं की महती भूमिका हो सकती है।

कांग्रेस को झटका दे पूर्व पार्षद अश्वनी भाजपाई बने

■ सभी नेताओं ने रीबन काटकर वार्ड 26 के नए चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

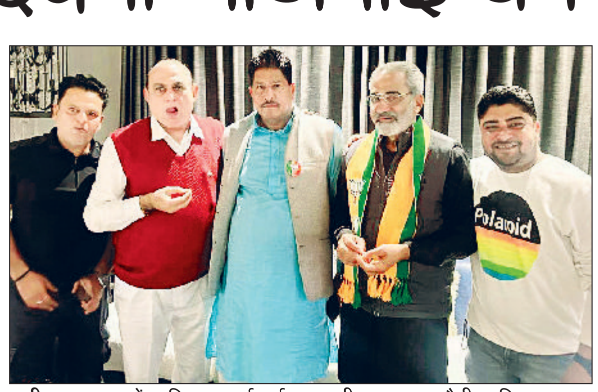

पानीपत। भाजपा में शामिल हुए पूर्व पार्षद अश्वनी, रामकुमार सैनी, शशि कपूर व शेरू उस्ताद के साथ। फोटो :हरिभूमि

पानीपत नगर निगम के मेयर पद व सभी 26 वार्डों में चुनाव जीतने के लिए भाजपा नेता व कार्यकर्ता दिन रात जुटे है। इधर, भाजपा नेता नवीन भाटिया के प्रयासों से पूर्व पार्षद अश्वनी ढींगडा, कांग्रेस छोड कर भाजपा में शामिल हो गए। अश्वनी के भाजपा में आने से असंध रोड, कच्चा कैंप व इसके तहत वाले कालोनियों में भाजपा प्रत्याशियों को काफी लाभ होगा। वहीं अश्वनी ढींगडा ने भाजपा नेता शशि कपूर व शेरू उस्ताद के साथ मेयर पद की प्रत्याशी कोमल सैनी के सुसर रामकुमार सैनी से मुलाकात की और भाजपा की जीत में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। दूसरी ओर, शनिवार को वार्ड 26 के राम स्वरूप चौक के आर्य बैंकेट हॉल में भी पानीपत नगर निगम चुनाव प्रभारी एवं पूर्व मंत्री डॉ बनवारी लाल, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज, मेयर प्रत्याशी कोमल सैनी, पूर्व मेयर अवनीत कौर, वार्ड 26 प्रत्याशी कुसुम भट्ट के अलावा शहर के सभी मंडल अध्यक्षों ने भी एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इससे पूर्व इन सभी नेताओं ने रीबन काटकर इस वार्ड 26 के नए चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया।

बच्चों में आत्म विश्वास को बढ़ा दें अध्यापक : राजीव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

पीसीसी एकेडमी के डायरेक्टर डॉ. राजीव परूथी संबोधन करते हुए।

पीसीसी एकेडमी के निदेशक राजीव परुथी ने बीआरएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांव बापौली में विद्यार्थियों की काउंसलिंग हुए सलाह दी कि अगामी गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग कैसे करें एवं सामान्य ज्ञान को बढ़ावा दें, आत्मविश्वास की भावना को जगाए रखें और अपने माता-पिता का सम्मान करें, बड़ों का आदर करें जैसे मुद्दों पर लेक्चर आयोजन किया। इस मौके पर स्कूल के अध्यक्ष रामपाल शर्मा ने राजीव परुथी का स्वागत किया एवं आने वाले समय में स्कूल के शिक्षकों के लिए लेक्चर करवाने के लिए दोबारा आमंत्रित किया। वहीं, शर्मा ने कहा अंग्रेजी भाषा बहुत जरूरी है सबको सीखना चाहिए समय के साथ अपने अंदर बदलाव लाना चाहिए। जबकि राजीव परुथी ने कहा बच्चे ही देश का भविष्य होते हैं यदि बचपन में ही बच्चों को अंग्रेजी भाषा के शब्दों का ज्ञान हो जाए एवं सामान्य ज्ञान में वृद्धि हो तो बच्चा कहीं मार नहीं खा सकता। परुथी ने कहा मेरा लक्ष्य है पानीपत के हर स्कूल में जाकर बच्चों एवं शिक्षकों को अंग्रेजी भाषा को सीखने के आसान तौर तरीके बताना एवं सीखना, जिससे पानीपत के अंदर कोई भी ऐसा बच्चा ना रहे, जो यह कहे कि मैं अंग्रेजी भाषा की कमी के कारण इंटरव्यू नहीं दे पाया या वह अंग्रेजी भाषा की कमी के कारण अपने आप को पिछड़ा महसूस करें इस मौके पर अंजलि सिमरन विधि पलक संजना आदि मौजूद रहे।

पानीपत। लैक्रोस एसोसिएशन ऑफ इंडिया की बैठक में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ राजेश टूरण। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा लैक्रोस संघ के अध्यक्ष बने डॉ. राजेश टूरण

पानीपत। सन 2028 लॉस एंजल्स ओलम्पिक में खेले जाने वाले खेल लैक्रोस का आगामी चार वर्षों के लिए चुनाव सम्पन्न हुआ। यह चुनाव उत्तर प्रदेश के जिला गोरखपुर में बीती 27 फरवरी को बैठक के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमे 22 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हरियाणा प्रदेश का नेतृत्व लैक्रोस एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के सचिव डॉ. राजेश टूरण ने किया। जानकारी देते हुए डॉ. टूरण ने बताया की गोरखपुर से सांसद व अभिनेता रवि किशन शुक्ला को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष के पद पर चुना गया। जबकि उन्हें यानि डॉ. राजेश टूरण को हरियाणा लैक्रोस संघ का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. टूरण ने बताया कि लैक्रोस एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की जनरल बॉडी मीटिंग व एसोसिएशन के चुनाव मार्च महीने में पानीपत में सम्पन्न करवाए जाएंगे, जिससे की लैक्रोस खेल हरियाणा में बहुत तेजी से प्रगति करेगा।

पानीपत। आईसीएआई की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्यगण प्रसन्न मुद्रा में। फोटो :हरिभूमि

सर्वसम्मति से सीए सोनू गोयल को प्रधान चुना गया

पानीपत। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की उत्तरीय भारतीय क्षेत्रीय परिषद की पानीपत शाखा द्वारा नई कार्यकारणी का चुनाव किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से सीए सोनू गोयल को प्रधान चुना गया। वहीं नवनिर्वाचित प्रधान सीए सोनू गोयल की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से शाखा के उप प्रधान सीए भूपिंद्र दीक्षित को सीए रजनी गोयल कोषाध्यक्ष चुना गया। शाखा में उपस्थित अन्य सदस्यों में सीए प्रविंदर सिंह, सीए मतेश मल्होत्रा, सीए जसबीर दहिया, सीए रमन मान, सीए सुरेंद्र सिंह, सीए प्रवीन, सीए सुकेश गुप्ता, सीए संजय गोयल, सीए गुलशन बरेजा, सीए शुभम जैन, सीए भगेश जैन, सीए नतीश जैन, सीए जोगिंद्र, सीए मुकेश असीजा, सीए अंकित गोयल, सीए गोविंद सैनी, सीए अंकुश गोयल व सीए मुकेश आदि मौजूद रहे। वहीं शाखा प्रभारी ममता प्रजापद ने शाखा के सभी सदस्यों के साथ मिलकर शाखा के नवनिर्वाचित प्रधान सीए सोनू गोयल का स्वागत किया। जबकि नवनिर्वाचित प्रधान सीए सोनू गोयल ने उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

कॉलेज में सवा एकड भूमि में ऑक्सीजन बाग बनेगा

■ ग्रीनमैन दलजीत ने अपनी पत्नी के जन्मदिन पर आड़ू के पौधे रोप कर ऑक्सीजन बाग का शुभारंभ किया

पानीपत। राजकीय कॉलेज में पौधे रोपते हुए ग्रीनमैन प्रो दलजीत व उनकी टीम। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय पानीपत में सहायक प्रोफेसर इतिहास के पद पर कार्यरत ग्रीनमैन दलजीत कुमार ने पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत अनूठी पहल का आरम्भ किया। प्रो. दलजीत ने बताया कि महाविद्यालय के प्रांगण में मेरी पत्नी मनजीत कौर के जन्मदिन के अवसर पर आड़ू के पांच फलदार पौधे रोपित करके ऑक्सीजन बाग बनाने का शुभारंभ किया। लगभग सवा एकड़ जमीन पर विभिन्न प्रकार के लगभग 200 फलदार पौधे रोपित करके महाविद्यालय को ऑक्सीजन बाग महाविद्यालय का एक भी पैसा खर्च किए बिना समर्पित किया जाएगा। पौधारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ दलजीत सिंह की। ग्रीनमैन प्रोफेसर दलजीत कुमार ने कहा कि इस ऑक्सीजन बाग में आड़ू, कन्धारी अनार, बबुगोसा, निम्बू, आम, इलाहाबादी अमरूद, हिसार सफेदा अमरूद, नाशपाती, अंजीर, माल्टा, मौसमी, किन्नू, केला आदि के कलमी फलदार पौधे रोपित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पानीपत जैसे प्रदूषित शहर में ऑक्सीजन बाग का निर्माण करने के जहां प्रदूषण में कमी आएगी वहीं दूसरी तरफ विद्यार्थियों को फ्री में विभिन्न प्रकार के फल फ्री में प्राप्त होंगे। इसके साथ ही इस ऑक्सीजन बाग में विभिन्न प्रकार के पक्षियों का बसेरा होगा जिससे पर्यावरण में संतुलन बनने में मदद मिलेगी। इस दौरान पौधरोपण कार्यक्रम में डॉ. बृजेश बराड़, डॉ. सोनिया दहिया, डॉ. रीना, डॉ. तकदीर सिंह, अनिल माली सहित 20 से अधिक इको क्लब के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बच्ची के साथ दुष्कर्म केस में गवाही से मुकेरे परिजन

पानीपत। थाना तहसील कैंप में छह वर्षीय पीड़िता के साथ 13 वर्षीय बच्चे ने दुराचार किया था। इसकी रिपोर्ट 24 मार्च सन 2022 को एक जुनाईल के खिलाफ छह पोक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इस एफआईआर पर जुनाईल बोर्ड द्वारा सुनवाई की गई। वहीं, इस मामले में पीड़िता के माता-पिता, बोर्ड को दिए अपने ब्यानों में घटना से मुकर गए। इधर, जुनाईल जस्टिस बोर्ड के प्रिंसीपल मजिस्ट्रेट पुनीत लिम्बा ने बताया कि पीड़िता बच्ची के 164 सीआरपीसी के ब्यानो और एफएसएल की रिपोर्ट पर दोषी को सजा सुनाई गई है। जिसमें दोषी को एक साल तक कम्यूनिटी सर्विस के तहत चलाए गए। वृद्धाश्रम में वृद्धों की सेवा करने के आदेश दिए है वही दोषी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए, दोषी का दाखिला अगली कक्षा में नेशनल ओपन स्कूल में करवाने के आदेश भी दिए, बता दे इससे पहले दोषी 41 दिन आब्जर्वेशन होम में काट चुका है। बोर्ड ने पीड़िता को न्याय देते हुए हरियाणा सरकार को लिखा है कि पीड़िता को तीन लाख रूपये की राशि उनके खाते में जमा करवाए। ऐसे मामले में बच्चा बहुत छोटा था जोकि अपने न्याय के लिए ब्यान देने योग्य नहीं होता। बच्चे के अभिभावक अपने ब्यानों को बदल देते है, जोकि गलत है। ऐसे में कोर्ट ने निर्णय लिया कि पीड़ित जुनाईल को न्याय मिले उसके लिए कोर्ट सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। माता-पिता वाला सारा फर्ज बोर्ड अदा करेगा ताकि पीड़ित को न्याय मिल सके और दोषी को उचित सजा।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी सुधांशु को गिरफ्तार किया है। कमल विहार के हरजीत सिंह ने 16 नवंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि जेपी अस्पताल के पास से किसी ने उसकी बुलेट मोटरसाइकिल चोरी कर ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

देसी पिस्टल सहित आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी के सुभाष पार्क के पास से अवैध हथियार रखने के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी अमन उर्फ गड्डी को देसी पिस्टल व जिंदा रौंद सहित गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। सीआईए-1 को सूचना मिली थी कि आरोपी किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इसी वजह से सीआईए ने रेड कर आरोपी को काबू कर लिया। उसके खिलाफ अवैध हथियार रखने के आरोप में केस भी दर्ज किया किया गया है।

पांच हजार का ईनामी आरोपी दबोचा

अंबाला। थाना महेशनगर एरिया के दुखेडी टी प्वाइंट से 2 किलो 600 ग्राम अफीम तस्करी मामले में सीआईए-1 ने एक पांच हजार रूपये का ईनामी आरोपी राम बाबू को गिरफ्तार किया है। यूपी के रहने वाले इस आरोपी को अब पुलिस ने दस दिन के रिमांड पर लिया है। सीआईए-1 को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। सूचना थी कि आरोपी जगाधरी रोड से होते हुए गांव मोहडा की तरफ जाएगा। इसके बाद पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से अफीम जब्त की गई।

महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज लूट के मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पहले ही दो आरोपी महिलाओं का गिरफ्तार किया किया गया है। शिवालिक कॉलोनी के सुधीर कुमार ने 6 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि भारत बर्तन भंडार दुकान से आरोपियों ने नकदी व बर्तन चोरी किए हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

लूट के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज लूट के मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी साहिल को गिरफ्तार किया है। काजीवाड़ा के अनुज कुमार ने 20 जनवरी को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 18 जनवरी को नजदीक इंद्रलोक होटल सर्राफा बाजार से तीन आरोपियों ने उससे मोबाइल फोन व नकद राशि लूट ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

गाड़ी का शीशा तोड़ नकदी व कपड़े चोरी

जींद। गांव कालवा में शादी समारोह में आए एक व्यक्ति की गाड़ी का शीशा तोड़कर कपड़े व पांच हजार रुपये की नकदी चोरी करने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अंबाला। निकाय चुनाव के लिए मतगणना केंद्र से निकलती पोलिंग पार्टियां, ईवीएम मशीनों को जांचते जिला निर्वाचन अधिकारी व बूथों पर पहुंची पोलिंग पार्टियां। *फोटो : हरिभूमि*

मतदान के लिए सभी पोलिंग पार्टियों को ईवीएम देकर किया रवाना

निकाय चुनाव : 367 बूथों पर 3.88 लाख मतदाता करेंगे मतदान, संवेदनशील 97 बूथों पर सुरक्षा का कड़ा पहरा

जिला निर्वाचन अधिकारी बोले हर कर्मचारी को राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों की करनी होगी पालना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

निकाय चुनाव को लेकर शनिवार को प्रशासन की ओर से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। चुनाव के लिए 367 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें मेयर उपचुनाव के लिए 191, अंबाला कैंट नगर परिषद चुनाव के लिए 156 व बराड़ा नगरपालिका चुनाव के लिए 20 बूथ शामिल हैं। इनमें से 97 बूथों को संवेदनशील घोषित किया गया है। यहां सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। तीनों जगह कुल 3.88 लाख 479 मतदाताओं को मतदान करने का मौका मिलेगा। इनमें सबसे ज्यादा मतदाता अंबाला शहर नगर निगम में 1.91 लाख हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से पोलिंग पार्टियों को बूथ वाइज प्रक्रिया की पालना के आदेश दिए। इस पूरी प्रक्रिया की बकायदा वीडियोग्राफी भी करवाई गई। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि चुनाव आयोग की हिदायतों के अनुसार जिले में निकाय चुनाव को पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से करवाना हमारा दायित्व है। चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना करते हुए आज पोलिंग पार्टियों की बूथ वाइज रेंडमाइजेशन का कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि निकाय चुनाव के तहत 2 मार्च को मतदान होगा। 12 मार्च को मतगणना का कार्य किया जाएगा। इसके बाद परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

पोलिंग पार्टियों को दी सामग्री

निकाय चुनाव के मतदान को लेकर शनिवार को सभी मतगणना केंद्रों से पोलिंग पार्टियों को चुनाव संबंधी सामग्री दी गई। इसके बाद पार्टियां अपनी ड्यूटी को लेकर निर्धारित बूथों के लिए रवाना हो गई। जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह तोमर ने शनिवार को सेक्टर 9 स्थित ओपीएस विद्या मंदिर स्कूल में बने मतगणना केंद्र व स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना करते हुए चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से करवाना है। तोमर ने बताया कि जिले में निकाय चुनाव के तहत सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 2 मार्च को सुबह 8 बजे मतदान शुरू हो जाएगा। शाम छह बजे तक मतदान का कार्य होगा। राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों अनुसार 2 मार्च को सुबह मॉक पोल की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी दर्शन कुमार ने बताया मेयर पद के उप चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीनों के साथ-साथ चुनाव संबंधी अन्य सामग्री दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलिंग पार्टियों व उनके साथ जुड़े अधिकारियों को तमाम चुनाव प्रक्रिया के बारे में फिर से ट्रेनिंग देकर रवाना किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बूथों पर पोलिंग पार्टियों के लिए जलपान, रहने की व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता प्रबंध किए गये हैं। सेक्टर 9 स्थित ओपीएस विद्या मंदिर स्कूल में काउंटरों की बेहतर व्यवस्था के साथ प्रत्येक काउंटर पर निर्धारित बूथों के तहत पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीन व चुनाव सामग्री दी गई है। इस दौरान उनके साथ चुनाव ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मचारी भी साथ रहे जोकि उनके साथ बूथों पर जाएंगे।

वोट के लिए 12 पहचान पत्र मान्य

जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह तोमर ने कहा कि निकाय चुनाव में मतदान करने के लिए राज्य चुनाव आयोग ने एक दर्जन से अधिक पहचान पत्रों को मान्य किया है। इनमें मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी कार्ड), पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, सर्विस कार्ड, पासबुक (बैंक/पोस्ट ऑफिस द्वारा फोटो सहित जारी), पैन कार्ड, स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय द्वारा संबंधित योजना के तहत जारी), मनरेगा जॉब कार्ड, हेल्थ इंश्योरेंस स्मार्ट कार्ड, पेंशन कार्ड फोटो सहित, सांसद/विधायक/एमएलसी द्वारा जारी कार्ड, आधार कार्ड व स्वतंत्रता सेनानियों का पहचान पत्र फोटो सहित तथा अथॉरिटी द्वारा जारी दिव्यांग प्रमाण पत्र फोटो सहित और आर्म्स लाइसेंस के जरिए भी मतदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी मतदाता के पास इनमें से कोई भी पहचान पत्र है तो वह मतदान कर सकेगा।

मतदान से पहले होगा मॉकपोल

अंबाला। अंबाला सदर नगर पालिका चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अंबाला छावनी विनेश कुमार ने बताया कि नगर परिषद अंबाला छावनी के अध्यक्ष व सदस्य पदों के लिए होने वाले चुनाव की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। इसी कड़ी में पोलिंग पार्टियों को एसडी कॉलेज में बने मतगणना केंद्र से चुनाव सामग्री व ईवीएम मशीनें देकर रवाना किया गया। एसडीएम ने बताया कि चुनाव के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर टीमों को पहले से ही प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलिंग पार्टियों व उनके साथ जुड़े अधिकारियों को तमाम चुनाव प्रक्रिया की ट्रेनिंग दी गई है। सभी बूथों पर पोलिंग पार्टियों के लिए जलपान, रहने की व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

16 वार्डों के लिए 20 बूथों पर होगा मतदान

बराड़ा नगरपालिका चुनाव को शांतिपूर्व ढंग से संपन्न करवाने को लेकर डीएवी स्कूल में सभी पोलिंग पार्टियों को सामान उपलब्ध करवाया गया। इसके बाद सभी पोलिंग पार्टियां देर शाम तक निर्धारित पोलिंग बूथों पर पहुंची। इस दौरान उनके साथ चुनाव डयूटी पर लगे पुलिस कर्मचारी भी साथ थे। इन पोलिंग पार्टियों को मतदान के लिए ईवीएम मशीनें व चुनाव संबंधी सामग्री उपलब्ध करवाई गई है। यह सारी सामग्री चुनाव के संपन्न होने के उपरांत सभी पोलिंग पार्टियों को वापिस डीएवी स्कूल में ही जमा करवानी होगी। सुबह 8 बजे मतदान शुरू हो जाएगा जोकि सांय 6.00 बजे तक चलेगा। इससे पहले राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों के अनुसार मतदान से पहले मॉक पोल की प्रक्रिया की जाएगी। 20 बूथों के लिए लगभग 60 बीयू, 60 सीयू और 60 वीवी पैट मशीनों को तैयार किया गया। चुनाव में सात उम्मीद्वार चेयरमैन पद के लिए और 43 उम्मीदवार सदस्य पद के लिए अपनी किस्मत आजमा रहे है।मतदान के लिए 20 बूथ बनाए गए है। बूथ नं 1 गांव मौजगढ़ के सरकारी स्कूल में बनाया गया है। बूथ नं 2 और 3 एसएम जनता सीनियर सैकेंडरी स्कूल बराड़ा में, बूथ नं 4,5,6,7,8 मॉडर्न सीनियर सेंकडरी स्कूल बराड़ा में, बूथ नं 9,10,11,12,13 राजकीय गर्ल्स हाई स्कूल बराड़ा में, हरियाणा विद्या मंदिर में बूथ नं 14, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल बराड़ा में बूथ नं 15,16,17 बनाया गया है तो वहीं बूथ नं 18,19 और 20 एसएम जनता सीनियर सैंकडरी स्कूल बराड़ा में बनाया गया है।

निष्ठा से अधिकारियों को ड्यूटी देने के आदेश

बराड़ा। एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी अमित भारद्वाज ने कहा कि नगरपालिका चुनाव में जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी मतदान करवाने में लगी हुई है ऐसे सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी ड्यूटी को पूरी निष्ठा से करें। चुनाव को स्वतंत्र व निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने में अधिकारियों व कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर घबराएं नहीं बल्कि इसकी सूचना संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर व ड्यूटी मजिस्ट्रेट को दें। एसडीएम शनिवार को डीएवी स्कूल में पोलिंग पार्टियों को चुनाव सामग्री वितरित करने से पूर्व पोलिंग पार्टियों को दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने पोलिंग पार्टियों को फाइनल रिहर्सल के बाद चुनाव सामग्री वितरित करके उन्हें अपने-अपने मतदान केंद्र के लिए रवाना किया। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, शौचालय, बिजली, शैड, दिव्यांगों के लिए रैंप, व्हीलचेयर उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को मतदान सुबह आठ बजे शुरू हो जाना चाहिए। इसलिए अपनी मॉक पोल की प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शुरू कर दें और इसे सभी चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के एजेंटों की उपस्थिति में करवाना सुनिश्चित करें। मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की प्रचार-सामग्री नहीं होनी चाहिए। नगरपालिका में 14 बूथ स्थापित किए गए है जिनके लिए 14 पोलिंग पार्टियां नियुक्त की गई हैं।

भगवान शिव सर्व देव के परमपिता परमेश्वर

- सेवा केंद्र में शिवरात्रि को लेकर आयोजित किया गया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना

प्रजापिता ब्रहमाकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में शिवरात्रि का कार्यक्रम संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी व वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुभद्रा दीदी के मार्गदर्शन बहुत धूमधाम से मनाया गया। शाहाबाद सेवा केंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नीति दीदी ने महाशिवरात्रि के गहन रहस्य के बारे में बताते हुए कहा कि कोई इसको शिव रात्रि और कोई शिव जयन्ती नाम से पुकारते हैं। बात तो एक ही है अर्थात शिव का अवतरण या अद्भुत विधि से जन्म। हम जानते हैं कि देश में 33 करोड़ देवी- देवताओं की पूजा की जाती है। अर्थात अनेक देवताएं हैं। ऐसे ही अनेक महान आत्माएं, संत आत्माएं, गुरु आत्माएं, धर्म पिताएं व पुण्य आत्माएं हुई हैं। परंतु जब परमात्मा की बात आती है तो प्रायः सभी धर्मों के लोग कहते हैं कि परमात्मा एक है और सभी का पिता है। भक्त हनुमान की पूजा करते हैं। हनुमान श्री राम जी की पूजा करते हैं। श्री राम रामेश्वर में शिवजी की पूजा करते हुए दिखाए गए हैं। ऐसे ही गोपेश्वर धाम में श्री कृष्ण को शिव जी की पूजा करते दिखाया गया है। पूजा उनकी ही की जाती है जो हमसे श्रेष्ठ होता है। बराबर के लोगों की पूजा नहीं की जाती। उनसे दोस्ती की जाती है। इससे स्पष्ट है कि शिव ही सर्व के परमपिता, परमात्मा, परमेश्वर व सर्वेश्वर हैं। 10वें गुरु श्री गोबिंद सिंह जी ने भी कहा है- /"हे शिवा दे ऐसा वर मोये, जो शुभ कर्मन से कभी ना डंरू/"। शिव और शंकर में भी अंतर है।

मुलाना। मंच पर कार्यक्रम पेश करती बीके बहनें। *फोटो : हरिभूमि*

सबको मंत्रमुग्ध किया

विधायक पूजा चौधरी ने सबको शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें हम सबके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य बहुत अच्छे से कर रहे हैं। इस दौरान शिव ध्वजारोहण किया गया। माउंट आबू से पधारे ब्रह्माकुमार नितिन भाई ने अपने गीतों के द्वारा सबको मंत्रमुग्ध किया।

शांति और उन्नति की कामना की

- पूर्व विधायक ने भगवान भोलेनाथ की पूजा कर सुख समृद्धि की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

गांव शहजादपुर में आशु मित्तल द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ पवन सैनी ने शिरकत की ओर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉ. पवन सैनी ने जल से शिवलिंग का अभिषेक किया। श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजन-अर्चन कर सभी के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

इस शुभ अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के सभी निवासियों के लिए भगवान शिव जी से सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की गई। पूरे मंदिर परिसर में हर हर महादेव के जयकारों से भक्तिमय माहौल बना रहा। भगवान शिव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हो और जीवन में शक्ति, शांति व समृद्धि बनी रहे।

शहजादपुर। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व विधायक सैनी व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

10 वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने अफसरों को दिए जरुरी निर्देश

नकल रोकने के लिए जरुरी कदम उठाने की कही बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं नकलरहित एवं पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। परीक्षा के दृष्टिगत बीएनएस की पालना सुनिश्चित होनी चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को वीसी के माध्यम से उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों निर्देश दे रहे थे। सैनी ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं के आयोजन में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसको ध्यान में रखते हुए सभी पुख्ता प्रबंध होने चाहिए। यदि किसी सेंटर पर अतिरिक्त पुलिस की तैनाती की आवश्यकता है तो वहां जरुरी बंदोबस्त होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी परीक्षा केंद्र पर नकल होने की शिकायत रहती है तो उस परीक्षा केंद्र को रद्द किया जाएगा। परीक्षा के तहत कानून एवं व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेवारी है। इसीलिए परीक्षा के दृष्टिगत जिनको भी जिम्मेवारी सौंपी गई है वे अपनी ड्यूटी को सजगता के साथ करते हुए परीक्षा को नकलरहित करवाएं। उपायुक्त ने बताया कि जिले में 10वीं व 12वीं की परीक्षा के लिए 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों पर व्यवस्थाएं ठीक हैं। पुलिस की भी बेहतर व्यवस्था है। वीसी के उपरांत उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधिकारी व अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीसी में जो दिशा-निर्देश मिले हैं उसकी अनुपालना के तहत कार्य करें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को यह भी कहा कि यदि किसी परीक्षा केंद्र पर पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की आवश्यकता है तो उस कार्य भी किया जाए। बैठक में एडीसी डॉ. ब्रहमजीत, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार के साथ अधिकारी मौजूद रहे।

निगम सदस्यों पर नहीं लागू होता दल-बदल विरोधी कानून

4 वर्षों में 3 बार दल-बदल कर डिप्टी मेयर ने बनाया रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

डिप्टी मेयर राजेश मेहता शुक्रवार को सीएम नायब सैनी की अगुवाई में भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके साथ ही मेहता के नाम दल बदलने का एक अनोखा रिकॉर्ड बन गया। चार साल में उन्होंने चार दल बदलकर नई रिकॉर्ड कायम किया है। चार साल पहले नगर निगम चुनाव में कांग्रेस ने राजेश मेहता को वार्ड नंबर 5 से उम्मीदवार बनाया था। इस चुनाव में जीतने के बाद हरियाणा जनचेतना पार्टी में शामिल हो गए थे। तब जनचेतना पार्टी की ओर से चुनाव में उन्हें डिप्टी मेयर का उम्मीदवार बनाया गया। डिप्टी मेयर बनने के बाद कुछ समय बाद ही मेयर शक्तिरानी शर्मा से उनकी कुछ मुद्दों को लेकर अनबन हो गई। इसी वजह से उन्होंने हरियाणा जनचेतना पार्टी के कार्यक्रमों से भी दूरी बनानी शुरू कर दी थी। कुछ महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में उन्होंने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में फिर से कांग्रेस में वापिसी की थी।तब मेहता ने अंबाला शहर विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी भी पेश की थी। हालांकि टिकट न मिलने की वजह से मेहता कांग्रेस से निराश हो गए। उन्होंने कांग्रेस के कार्यक्रमों से भी दूरी बना ली। अब दो रोज पहले ही उन्होने सीएम नायब सैनी के साथ मंच सांझा कर भाजपा का दामन थाम लिया।

अंबाला। डिप्टी मेयर राजेश मेहता सीएम नायब सैनी के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

शपथग्रहण के दिन बदला था पाला

राजेश मेहता 50 माह पूर्व यानि 30 दिसंबर 2020 को कांग्रेस पार्टी के टिकट पर ही वार्ड नंबर 5 से नगर निगम सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुए थे। 14 जनवरी 2021 को शपथ ग्रहण के दिन ही वह स्थानीय नगर निगम की प्रत्यक्ष (सीधे) निर्वाचित महिला मेयर शक्ति रानी शर्मा की पार्टी हरियाणा जनचेतना पार्टी में दल-बदल कर शामिल हो गए थे। इसके बाद वे दिसंबर2022 में मेहता निर्विरोध नगर निगम के डिप्टी मेयर निर्वाचित हुए थे। मई 2024 में 18वीं लोकसभा आम चुनाव से ठीक पहले राजेश मेहता ने हजपा छोड़कर फिर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। अब उसके नौ महीने बाद मेहता ने फिर पाला बदल लिया। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट और म्यूनिसिपल कानून के जानकार हेमंत कुमार ने बताया कि बेशक राजेश मेहता ने चार वर्षो में तीन बार विभिन्न पार्टियों में दल-बदली की परंतु अब भी उन्हे हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जनवरी,2021 में प्रदेश सरकार के गजट में प्रकाशित निर्वाचन नोटिफिकेशन में अंबाला नगर निगम के वार्ड 5 से कांग्रेस पार्टी से निर्वाचित नगर निगम सदस्य के तौर पर ही दर्शाया जा रहा है। उन्हें मौजूदा अम्बाला नगर निगम का कार्यकाल पूरा होने तक अर्थात 13 जनवरी 2026 कांग्रेस पार्टी का ही सदस्य दर्शाया जाता रहेगा। राजनीतिक पार्टियों बदलने बावजूद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मूल निर्वाचन नोटिफिकेशन में संशोधन नहीं किया जाता है। देश के संविधान की दसवीं अनुसूची में जो दल बदल विरोधी कानून हैं, वह केवल सांसदों और विधायकों पर ही लागू होता है।

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से

शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओजेंपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल
मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदनाओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकिय्यत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी
संजीव जायसवाल 'संजय'

गुब्बारे वाला

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

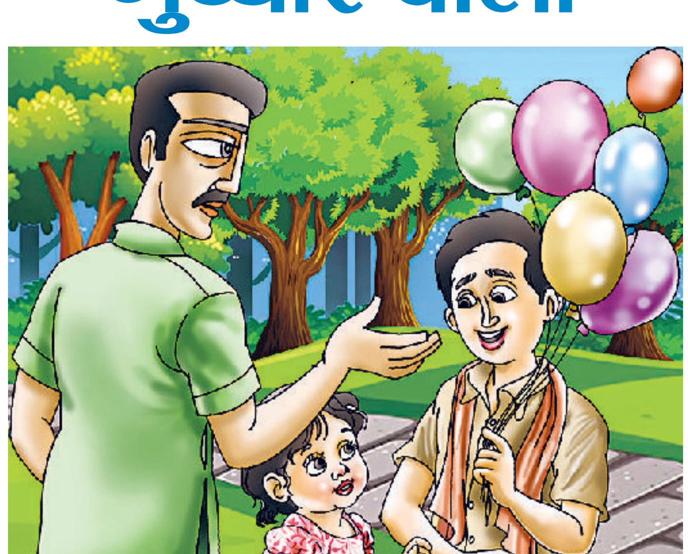

'बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

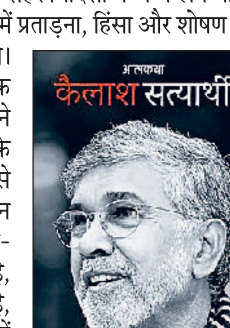

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स में तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया में अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया में प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

एंज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैयाः दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढ़ने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

यात्रा-अनुभव

समीर चौधरी

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंगः हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथूला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपनाः फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगाः जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारेः अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसीः डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंचः अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटीः अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधाः अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुलः अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तोः अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

सिने-ट्रेंड

हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में प्रेम आधारित कितनी ही फिल्में बनीं और जबर्दस्त सफल हुईं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई फिल्में भी खूब हिट हुईं, जिनमें प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

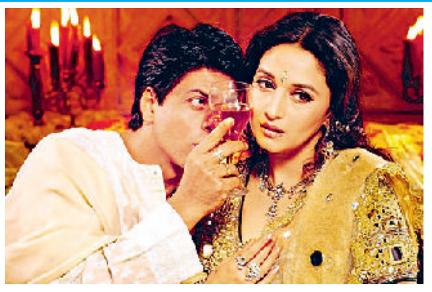

एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेमः शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्तः हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', 'सिलसिला', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीजः समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसासः फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी इसलिए ही होती है। लेकिन लगता है अब धीरे-धीरे ये फार्मूला भी दरकने लगा। क्योंकि, नई पीढ़ी को ऐसी प्रेम कथाएं रास नहीं आती।

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'

बदल रहे फिल्मों के विषयः लव स्टोरी बेस्ड फिल्मों के शानदार अतीत के बावजूद बीते कुछ सालों में आई कई फिल्मों के कथानकों में प्रेम नदारद था या न के बराबर था। यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *